लखनऊ विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष



HINDUSTAN PAGE 8

छात्र समझ प्रोफेसर ने एलयू दीक्षांत की पदक सूची में सबके सामने लगाई डांट कॉलेजों के होनहारों का दबदबा



1985 -88 की घटना है, मैं नया नया छात्र जीवन से निकला था और नौकरी आरम्भ की थी। मेरे आदर्श शिक्षक थे प्रो शशिरंजन तिवारी जी जिन्हें हम एक दार्शनिक मानते थे। उनके साथ एक समस्या थी, वे भूल जाते थे कि कौन उनका वर्तमान छात्र है और कौन नहीं। मैं पुस्तकालय के सामने खड़ा था और एक मित्र से बात कर रहा था। तब तक तिवारी सर अपनी क्लास लेने के लिए आए, हमें खड़ा देख कर वे गस्से से बोले मिस्टर आप क्लास में नहीं आते हैं फेल हो जायेंगे। मैं कुछ बोलता उसके पहले मित्र ने बता दिया कि सर ये तो जॉब कर रहा है और बैच का टॉपर है। दूसरे ही पल उनका हाथ मेरी पीठ पर था और बोले मुझे आप पर गर्व है। एक सच्चे अध्यापक की वह थपकी जीवन भर याद रहती है।

इसी तरह से 1992 की एक घटना आज भी जेहन में है। उस समय कल्याण सिंह सरकार ने नकल को संज्ञेय अपराध बना दिया था। प्रो. हरि कृष्ण अवस्थी कुलपति थे, उन्हें सब पंडित जी बुलाते थे। इस कानून को लेकर छात्रों में डर



प्रो. मनोज दीक्षित

था। नकल करते पकड़े जाने पर सीधे एफआईआर होती। परीक्षा को नकल करते पकड़ा गया। हसनगंज थाने की पुलिस सीओ को लेकर पूरा प्रशासन पहुंच गया। एफआईआर लिखने की तैयारी शुरू हो गई, उधर छात्रा ने भी हंगामा शुरू कर दिया। बोली अगर एफआईआर हुई तो मैं आत्महत्या कर लूंगी। उसे लेकर सब प्रॉक्टर कार्यालय पहुंचे। पंडित जी को जानकारी हुईं। वो सीधे प्राक्टर कार्यालय पहुंचे। सीओ ने बताया कि नए कानून से एफआईआर होगी। पंडित जी बरस पड़े, बोले, अब बिटिया पर एफआईआर करोगे, हटाओ इस कानून को। पुलिस वालों को युनिवर्सिटी से लौटा दिया। जानकारी मुख्यमंत्री के पास पहुंची। मुख्यमंत्री समझ गए कि पंडित जी इस कानून के पक्ष में नहीं है। रातोरात छात्राओं के खिलाफ एफआईआर का नियम बदला गया। प्रो. दीक्षित अवध

मेधा

लखनऊ वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत 2020 इस बार शहर के डिग्री कॉलेजों के होनहारों के लिए काफी खास है। बड़ी संख्या में कॉलेजों में पढ़ने वाले शुरू हुई। कला संकाय में एक छात्रा होनहारों ने पदक पाने वालों की सूची में जगह बनाई है।

नेताजी सभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्रा सरिता यादव, जयनारायण पीजी कॉलेज की छात्रा अनम हामिद खान के साथ करामत हुसैन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्रा सोनिया गुप्ता और मारिया खातून जैसे कई नाम शामिल हैं। इन्हें अब विश्वविद्यालय में विभागों के स्तर पर होने वाले समारोह में पदक दिए जाएंगे।

समारोह में दिए जाने वाले पदकों की संख्या करीब 196 है। कुलाधिपति पदक समेत कुल 15 पदक बीती 21 नवम्बर को शताब्दी वर्ष समारोह के बीच आयोजित दीक्षांत समारोह में बांट दिए गए। कुल 181 बचे। इसमें भी करीब सात पदक ऐसे हैं जो या तो बंद हो चुके हैं या उस मेडल की श्रेणी में इस बार छात्र नहीं है। ऐसे में 174 पदक बचे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित हैं। हैं। गुरुवार को इनकी सूची जारी की गई।



इनको मिले हैं पदक



• नेताजी सुभाष् चन्द्र बोस रॉजकीय

इतिहास की छात्रा सरिता यादव को एमए में आठ स्वर्ण पदक दिए गए हैं। सरिता के पिता राकेश यादव और मां का नाम शारदा यादव है। प्राचार्या प्रो . अनुराधा तिवारी ने छात्रा को उसकी सफलता के लिए बधाई दी है।

- जयनारायण पीजी कॉलेज की एमएससी अंतिम सेमेस्टर की छात्रा अनम हामिद खान को रसायन विज्ञान में स्वर्ण की घोषणा की। • करामत गर्ल्स कॉलेज की दो
- छात्राओं को मेडल मिलेगा। सोनिया गुप्ता को बी.कॉम द्वितीय में सर्वाधिक अंक और मारिया खातून को पर्शियन के दोनों प्रश्न पत्रों में 95% अंक के लिए चांसलर पदक मिलेगा।

Lucknow: For Aditya Pandey, , the first year on Lucknow Intersity campus couldn't have been more special. Starting his educational journey as a BA student at a time when

Dialogue that caught Kumar's attention

haring a personal experience during celebrations, Saurabh Singh (27), who performed a play 'Panchlight' said: "There is a line in Pankaj Tripathi's web series 'Mirzapur' - 'Laal phool, neela phool, Munna bhaiyya beautiful'. I incorporated this line in our play. The next day when poet Kumar Vishwas wa performing, our team and the rest of the crowd raised slogans 'Laal phool, neela phool, Kumar bhaiyya beautiful'. Kumar Vishwas recorded the video, tagged actor Pankaj Tripathi and posted it on twitter. Later, Pankaj Tripathi retweeted it. It was a very special moment for

existence, Aditya says it's a mamater proud," he says.

me which I will never forget."

vi sammelan' on the conclu- celebrations and their experi- performances on November tenary celebrations of the uni-

TOI PAGE 2



Clockwise from top: Saurabh Singh (extreme right) and his team stage a play; Gauri Todaria during a performance and Prashant Chaubey in the nukkad natak during the LU centenary celebrations

kalam ki syaahi hoon, main mya', presented another play raat ka hi raahi hoon," Aditya 'Aurat' on Wednesday. recited at the kayl sammelan.

event a success. TOI spoke to a dent. Aditya was among the stu- few students who gave perfor-

on, ujaalon memera raasta ka- four nukkad nataks with his repeat itself.

han, din se mera vaasta kahan, fellow team members of 'Ada-

their campus on Tuesday, I your voice against evils in so-cellor's silver medals for best after getting into civil servi-chers. LU is completing 100 years of wish one day I also make my alciety. We met several former students too. Salim Arif si Like Pandey, many stu- promised our team that he wo sociated with an institution dents from various faculties ulddirectaplay with us soon," which has produced many came together to make the says the post-graduate stu-

dents who took part in the 'ka- mances during the week-long ria, who presented three dance ding day of the week-long cen- ences on being a part of the le- 21, feels that the present stu-Prashant Chaubey, a PG centenary celebrations is a "Main raat ka hi raahi ho- student, who participated in history in making and it won't

Centenary celebrations leave behind memories to cherish for careers that serve poor

Lucknow: The top five medal winners of Lucknow University have three things in common — all are girls, have more than 90% of classroom ve the poor and downtrodden by taking up civil services or teaching as career.

These students have together lapped up 45 medals inviting objections from ge- onclass room and self-study," she said. neral students by December 7. The final tally will be relea-

While Harshita Dubey 44 medals, Sarita Yaday (MA) made sure to complete class Degree College, also aspires bagged 10. Pragati Srivasta- work on time," said Harshi- for civil service, "I devoted va (LLB) eight, Jaya Kumari ta, who is in love with mathe-equal time to all the subjects (MSc physics) seven and matics. She wants to join the Besides, participation in ex-





attendance and aspire to ser- (From left) Shambhavi, Sarita, Harshita and Java

Farmer's daughter aspires to be a teache

aughter of a farmer in Bakshi Ka Talab, Sarita Yadav, a student of Netaji Subhas Chandra Bose Girls' Degree College, fought out of 189 awarded by LU this against odds to achieve success and wants to take up teaching year in various streams. The and support economically weaker students. "My father managed tentative list of winners was to payfees with great difficulty, hence I made sure not to miss declared on Thursday while even a single class. I never did any coaching and relied completely

> woman student and best PG ces," she said. Daughter of student in LU.

"Being regular to class neglected places.

"Studying for hours at ho- tosh Pandey, Shambhayi, a Shambhavi Pandey (BA) six. IAS and serve in remote and tra-curricular activities like and listening to teachers at- Jaya Kumari too shared tions made me more compre-"There is no better place tentively is the key to suc- the same thoughts and dre- hensive in my approach," "After seeing so many sucthan a university, which has so cess," said Harshita, whose ams. "I want to work for emcessful alumni returning to many young minds, to raise 14 medals include two chan-powerment of rural women success to parents and tea-